



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 7]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 16, 1974 (माघ 27, 1895)

No. 7]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 16, 1974 (MAGHA 27, 1895)

इस भाग में लिख पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि पहले संख्या के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1 (PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालंखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसाधन और अधीन स्थानियों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएँ

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 जनवरी, 1974

सं. ए. 32013/1/74-प्रशा०।—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा मंत्री के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थाई अधिकारी श्री आर० आर० अहीर को राष्ट्रपति द्वारा 6-12-1973 से 5-3-1974 तक 3 महीने की अवधि के लिए अथवा किमी नियमित अधिकारी के आने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं. ए. 32013/1/73-प्रशा०।—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा मंत्री के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थाई अधिकारी श्री मी० आर० आनन्द को, गण्डपति द्वारा 5-11-1973 से 4-2-1974 तक 3 मास की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक जो भी पहले हो उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 31 जनवरी 1974

सं. ए. 32013/1/74-प्रशा०।—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा मंत्री के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थाई अधिकारी कुमारी एस०टी० केमवानी ने, जिन्हें इस कार्यालय

के अधिसूचना सं. ए. 32013/1/74-प्रशा०-I दिनांक 15 अक्टूबर, 1973 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 1 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद कुमारी एस०टी० केमवानी ने 1 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं. ए. 32013/1/74-प्रशा०।—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा मंत्री के अवधि के स्थाई अधिकारी श्री बी० बी० मेहरा ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं. ए. 32013/1/73-प्रशा०-I, दिनांक 5-12-1973 द्वारा केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 2 जनवरी, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री बी० बी० मेहरा ने 2 जनवरी, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में (के० सं. स्ट० सेवा का चयन ग्रेड) निजी सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय  
(कार्यक्रम एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

ब्रौ. बही० दिवे  
अवर सचिव  
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1974

मं० 4/3/73—प्रशा०—5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।  
एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा निम्न-  
लिखित प्रतिनियुक्त निरीक्षकों को, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में  
उनके नाम के सम्मुख दी गई तिथियों से अगले आदेश तक के लिए,  
अस्थाई रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं:—

क्र० मं० नाम राज्य जिससे प्रति- पुलिस उप-अधीक्षक  
नियुक्ति पर है। नियुक्ति होने की तिथि

1. श्री ओम प्रकाश	हरियाणा	4—1—74 (अपराह्न)
2. श्री के० के० शर्मा	पंजाब	9—1—74 (पूर्वाह्न)
3. श्री के० सत्यनारायण	आंध्र प्रदेश	11—1—74 (अपराह्न)

दिनांक 5 फरवरी 1974

सं० पी० एफ०/ए० 3/73—प्रशा०—5—श्री ए० राजामोहन,  
पुलिस अधीक्षक, सामान्य अपराध स्कंध, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो  
मद्रास ने दिनांक 16 जनवरी, 1974 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्य-  
भार त्याग दिया तथा 16 जनवरी, 1974 के पूर्वाह्न में पुलिस  
अधीक्षक, आर्थिक अपराध स्कंध, विशेष पुलिस स्थापना, केन्द्रीय  
अन्वेषण ब्यूरो, मद्रास के पद का कार्यभार संभाला।

गुजराती लाल अवधार,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1974

सं० 2/7/73—प्रशा०—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा  
श्री एम० के० वासुदेवन, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के मलेक्षण  
ग्रेड के अधिकारी, को 25 जनवरी, 1974 पूर्वाह्न से अगले आदेश  
तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से विभागीय जांच  
आयुक्त नियुक्त करते हैं।

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग  
महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व कार्यालय

नई दिल्ली—110001, दिनांक 5 फरवरी, 1974

सं० प्रशासन 1/5—5/प्रोमोशन/70—74/2790—श्रीमान्  
महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थाई अनुभवाधि-  
कारी श्री जे० एन० चौपड़ा को लेखाधिकारी के पद पर संशोधित  
वेतनमात्र ₹ 840—1200 में दिनांक 25—1—1974 (अपराह्न)  
से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखापाल, केरल

तिसवनन्तपुरम्, दिनांक 4 फरवरी 1974

सं० सिव्वन्दी/अ/IV/9—86/348—महालेखापाल केरल  
निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों (लेखा-परीक्षा तथा  
लेखा) को, प्रत्येक के आगे सूचित किए गए दिनांक से, स्थानापन्न  
लेखा अधिकारियों के पद में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

1. श्री एन० माधवन नाथर	1—2—1974 (अपराह्न)
2. श्री सि० सि० ऐसक	4—2—1974 ,
3. श्री के० पि० रामकुरुप	1—2—1974 पूर्वाह्न
4. श्री आर० नीलकंठन नाथर	1—2—1974 ,
5. श्री के० वि० मत्ताई	2—2—1974 ,
6. श्रीमती एस राजाम्माल	4—2—1974 अपराह्न

क० गणे  
उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय मुख्य लेखा परीक्षक  
दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता—700043, दिनांक 5 फरवरी 1974

श्री एस० वी० पी० भास्कर राव, जो मुख्य लेखा परीक्षक,  
दक्षिण पूर्व रेलवे-कलकत्ता के कार्यालय में अधीनस्थ रेलवे लेखा-  
परीक्षा सेवा के एक स्थाई सदस्य है, को दिनांक 16 नवम्बर, 1973  
(अपराह्न) से लेखा-परीक्षा अधिकारी के रूप में अस्थाई संरचना  
अगले आदेशों तक पदोन्नत किया गया है।

एच० एस० सामूहिक,  
मुख्य लेखा परीक्षक

## इस्पात और खान संवालिय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

फलकता-13, दिनांक 25 जनवरी 1974

सं० 2222(एस०के०प्र०)/19ए०—श्री स्वपत कुमार मुखोपाध्याय को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 350 रु प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 350-25-500-30-590-द०रो०-30-800-द०रो०-30-830-35 900 रु के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश आने तक, 30-11-1973 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया गया है।

सं० 40/59/सी०/19ए०(पी०)—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री शैलेन्द्र नाथ राय को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उमी विभाग में वेतन नियमानुसार 350-25-500-30-590-द०रो०-30-800 रु के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, आगामी आदेश दिए जाने तक, 10-12-1973 (पूर्वाह्न) में पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 जनवरी 1974

सं० —भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के नियुक्त वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूभौतिकी) की सहायक भूभौतिकी-विदों के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900/- रु के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश आने तक, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है:—

क्र०सं०	नाम	नियुक्ति-तिथि
1.	श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह	2-11-1973 (पूर्वाह्न)
2.	श्री अश्वनी कुमार	12-11-1973 (पूर्वाह्न)

सं० 2339(ए० बी०)/19बी०—श्री आलोक बागची, एस० एस० सी० को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 350 रु के मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर 350-25-500-30-590-द०रो०-30-800-द०रो०-30-830-35-900 रु के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश दिए जाने तक, 22 नवम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

एम० के० राय चौधरी,  
महा-निवेशक

कार्यालय, महानिवेशक नागर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी, 1974

सं० ए०-३२०१३/४/७३-ई०सी०—राष्ट्रपति ने श्री बी० एन० शर्मन, वरिष्ठ संचार अधिकारी को 28-6-1973 पूर्वाह्न से अगले आदेश जारी होने तक महानिवेशक नागर विभाग के कार्यालय, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर सहायक निवेशक संचार के पद पर नियुक्त किया है।

2. राष्ट्रपति ने श्री बी० एन० शर्मन को 11-1-1974 से अगले आदेश जारी होने तक महानिवेशक नागर विभाग के कार्यालय, नई दिल्ली में, स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर सहायक निवेशक संचार के ग्रेड में भी नियुक्त किया है।

एम० जी० थामस,  
निवेशक प्रशासन

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग  
प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1974

सं० 1/९३/६९प्रा०-४—राष्ट्रपति, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के स्थाई वास्तुक श्री बी० एस० गाहबोले को इसी विभाग में 1300-60-1600-100-1800 रु के वेतनमान में तदर्थ आधार पर 11-1-1974 (अपराह्न) में स्थानापन्न वरिष्ठ वास्तुक नियुक्त करते हैं।

भगवत प्रसाद पाठक,  
प्रशासन उप निवेशक

## इन्द्रेगरल कोच फैक्ट्री

मद्रास-३८, दिनांक 30 जनवरी 1974

सं० पी० बी०/जी० जी०/९/मिस०/II—श्री जी० एस० विठ्ठल राव, स्थानापन्न उप-मुख्य यांत्रिक इंजीनियर की पदोन्नति का प्र० से घेड 1 ए० को यांत्रिक अधीक्षक (कर्मशालाएं)/अभिकल्प के रूप में दिनांक 1-7-73 से 29-8-73 तक जैसा कि इस कार्यालय के पृष्ठांकत, समसंख्या, दिनांक 15-9-73 के क्रमसंख्या 2 में सूचना भेजी गई है—रद्द किया गया है। उक्त अवधि में यांत्रिक अधीक्षक (कर्मशालाएं)/अभिकल्प घेड I ए० का पद का प्र० घेड में चलाया गया है और श्री जी० एस० विठ्ठल राव को यांत्रिक अधीक्षक (कर्मशालाएं)/अभिकल्प के पद के खिलाफ स्थानापन्न उप-मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/अभिकल्प (क० प्र०) के पद पर तैनात किया गया है।

श्री जी० राजू, सहायक लेखा अधिकारी/सी० ए० एस० (श्रेणी II) को तदर्थ रूप से वरिष्ठमान में स्थानापन्न रूप में

काम करने दिनांक 13-12-1973 से सहायक लेखा अधिकारी/सी० ए० एम० जिस पद को रेलवे बोर्ड के पत्र सं० 73 है० (जी० सी०) 12-21 दिनांक 6-12-73 के अनुसार वरिष्ठ मान में बढ़ाया गया है के खिलाफ वरिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नति की गई है।

श्री एस० जी० श्रीनिवासन, स्थानापन्थ सहायक लेखा अधिकारी/सी० बी० एस० (श्रेणी II) तदर्थ को दिनांक 22-12-73 के अपराह्न से श्रेणी III सेवा को रिवर्ट किया गया है।

सी० एम० गोविन्द राजुल,  
वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी  
हुते महाप्रबन्धक

**कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय**  
कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन  
सूचना ।

कटक, दिनांक 2 फरवरी 1974

सं० एल०—कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और मध्यसूदन केमिकल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 8 की 1971 में ओडिशास्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 30-11-1973 के आदेश द्वारा मध्यसूदन केमिकल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन  
सूचना ।**

सं० एल०-358/74—कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में और चिलिका केपिऊ मेनुफैक्चरिंग वर्क्स लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 10 की 1972 में ओडिशास्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 30-11-1973 के आदेश द्वारा चिलिका केपिऊ मेनुफैक्चरिंग वर्क्स लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन  
सूचना ।**

कटक, दिनांक 6 फरवरी 1974

सं० एल०-362/74—कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में और कलिंग षिल एण्ड वार प्रोडक्ट्स लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 3 की 1973 में ओडिशास्थित उच्च न्यायालय

के दिनांक 9-1-1974 के आदेश द्वारा कलिंग षिल एण्ड वार प्रोडक्ट्स लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन  
सूचना ।**

सं० 361/74—कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में और हन्सनाथ शेरामीक इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 2 की 1973 में उड़ीसा स्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 9-1-74 के आदेश द्वारा हन्सनाथ शेरामीक इन्डस्ट्रीज लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

एस० एन० गुहा,  
कम्पनी का रजिस्ट्रार उड़ीसा

**आयकर आयुक्त का कार्यालय केरल**

**धनकर अधिनियम 1957 की धारा 8 के अधीन आदेश  
कोचीन-16, दिनांक 21 नवम्बर 1973**

आदेश सं० 17/73-74—धनकर अधिनियम 1957 की धारा 8(अ) के अनुसार, मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल का धनकर आयुक्त में, निदेश देता हूं कि इस कार्यालय के दिनांक 12-7-73 (आदेश सं० 3/73/74) के आदेश में दी गई अनुसूची के कालम 1 और 2 में आयकर मण्डल एरणाकुलम और आयकर मण्डल तिस्तवनन्तपुरम के नीचे निम्नलिखित प्रवृष्टियाँ भर दी जाएँ। यह निदेश 22-11-73 से प्रवृत्त होगा।

### 1. आयकर मण्डल एरणाकुलम ।

कोलम सं० 1 में, आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, के नीचे आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिवीक्षाधीन) जोड़िए। कोलम सं० 2 में, आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिवीक्षाधीन) के सामने “ऊपर कालम 2 में बताया गया कार्यभार” जोड़िए।

### 2. आयकर मण्डल तिस्तवनन्तपुरम ।

कोलम सं० 1 में आयकर अधिकारी (वसूली) के नीचे आयकर अधिकारी श्रेणी 1 (परिवीक्षाधीन) जोड़िए। कोलम सं० 2 में आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिवीक्षाधीन) के सामने ऊपर कालम 2 में बताया गया कार्यभार जोड़िए।

एस० टी० तिस्तवनन्तपुरम, आयकर आयुक्त, केरल एरणा कुलम

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1974

निवेदण सं० 751 /73-74:—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० में अधिक है और जिसकी सं० 4एल, मेनटोफ रोड, पहला स्ट्रीट, मद्रास है, जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 सितम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उसक अन्तरण लिखित में कानूनीकृत रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उसमें बद्धने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, किनाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री आर० नडराजा 7 चौधा क्राम स्ट्रीट, आर० के० नगर, मद्रास (अन्तरक)

(2) श्री आर० रंगनादन, 5, मेनटोफ रोड, पहला क्रास स्ट्रीट मेनामपेट, मद्रास-18 (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अकिन्तीयों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोलिखित वार्ता के पास निखिल में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे अधिकारी को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अधिकारी को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्वाक्षीकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

टी० स० सं० 3841/2 में तीन-ग्राउण्ड और 292 स्क्युयर फीट का खाली भूमि (लाट सं० चार का भाग)

ए० रागवेन्द्र राव  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज II मद्रास-----)

दिनांक : 2 फरवरी, 1974

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ-(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1974

निवेश सं० 820/73-74:—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर प्रबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सम्भम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट में अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 3956/2 के सबपेस्मालपुरम कालनि है, जो में स्थित है (और इसमें उपावड़ में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बच्चे के लिये सुकर बनाना, और/या;

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती ए० कलकाम्माल, 134, लायिडस रोड, मद्रास-14 (अन्तरक)
- (2). (1) ए० वी० रागवन.
- (2) सी० कमलरट्टम और
- (3) सी० कृष्णस्वामी.
- 53. चौथा काम स्ट्रीट, मद्रास-28 (अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये ए० रागवेन्द्र द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आशेषों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेष किया है वथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेषों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

केसबपेस्माल पुरम कालनि में सर्वे सं० 3956/2, में खाली भूमि (8428 स्कूयर फीट)

(ए० रागवेन्द्र राव)

सम्भम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II मद्रास—

दिनांक : 2 फरवरी, 1974

मोहर :

प्रकृत्य आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
सहायक आयकर आयवत् (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन रेज, शिलांग

शिलोग, दिनांक 4 फरवरी, 1974

निर्देश मं० ए० 25/एम० एन० सि०/73-74:—यह, मुझे  
एन० पाच्छाँ आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं०

(क) आर० एम० पट्टा सं० 194 डाग सं० 533/534/  
543/1367,

(ख) आर० एम० पट्टा सं० 190 डाग सं० 507,

(ग) आर० एम० पट्टा सं० 197 डाग सं० 514/515,

(घ) आर० एम० पट्टा सं० 168 डाग सं० 523/522 है  
जो अस्मीकापुर, पार्टX, शिलचर में स्थित है (और  
इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित), गजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिलचर में भारतीय रजिस्ट्रीकण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 मई, 1973  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के निए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाथा गया ऐसे अन्तरण के सिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपलब्ध अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे  
वचने के निए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुल्क वरने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-

नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पियारो मिह, पिया-योगेश्वर मिह, मेहेरपुर, शिलचर,  
(अन्तरक)

(2) रिरोनि मिल्स के लिये, श्रीमती मनमारा कुमारी  
जैन, पति—श्री निमेन कुमार जैन, मेहेरपुर शिलचर, (अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां णरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के शाजगत में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तन्मध्येष्ठी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में  
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हम स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं  
अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(1) आर० एम० पट्टा के अधीन  
सं० 194 डाग सं० 533/534/534/1397

1 वि० 11 का 2 घ:

(2) आर० एम० पट्टा के अधीन

सं० 190 डाग सं० 507 . . . . . 0 वि० 18 का, 3 घ

(3) आर० एम० पट्टा के अधीन

सं० 197 डाग सं० 501/515 . . . . . 4 वि० 3 का, 12 घ

(4) आर० एम० पट्टा के अधीन

सं० 198 डाग सं० 523/522 . . . . . 10 वि० 8 का०, 10 घ

17 वि० 1 का 11 घ:

जमिन शिलचर-हाईनाकान्दि सड़क पर अवस्थित है (शिल-  
चर केन्द्र स्थान से 5 किलोमीटर), मोजा अस्मिकापुर पार्ट, X,  
परगाना वराकपोर शिलचर (सदर) और सं० नीचे लिखे गये:—

एन० पाच्छाँ,  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज—शिलांग

दिनांक : 2 फरवरी, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. II

अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी, 1974

निदेश सं० 61/अक्र० 23/51/14-6/73-74:—यतः,  
मैं, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की मं०  
पी० एम० नं० 1990/45 है, जो महसाना  
में स्थित है (और इसे उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महसाना में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 16) के अधीन  
8 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अधिनियमित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपभारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रजनीकान्त नारणदास पटेल अरणकुमार  
नारणदास पटेल भागीदार में० पटेल रजनीकान्त नारणदास  
एण्ड ब्रदर्स, महसाना (अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदावेन बाबुलाल शाह क्रीष्णनगर सीमायटी  
महसाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में  
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पी० एस० नं० 1990/45 रामकौण रोलर फ्लोरमील का  
मेरेज महसाना। कुल जमीन 3011 59 फीट।

पी० एन० मित्तल  
मकान प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज- II अहमदाबाद।

दिनांक 4 फरवरी, 1974

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी, 1974

निवेश मं० 59/Acq/23-59/6-2/73-74—यतः,  
मुझ, पी० एन० मितल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पष्ट से अधिक है और जिसकी मं० प्लॉट नं० 45 मं० 984-112 है, जो अलकापुरी रेम कोर्स रोड बड़ीदा में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुमूल्य में और पूर्ण मूल्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-8-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच नया पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती धनुषेन सुमनभाई पटेल कोडक हाउस, 3 मजला डा० ई० अन० रोड, बम्बई-। (अन्तरक)

2—456 GI/73

(2) रमागांगी alias रेखागांगी भोजीलाल कोडारी, 15 अलकापुरी रेम-कोर्स रोड बड़ीदा (अन्तरिती)

(3) गुजरात ओटो गीअर्स लि० 45, अलकापुरी रेम-कोर्स रोड बड़ीदा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहम्नाश्री के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर मम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए नारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा मम्पति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के ममय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

जोट नं० 45 मवे० ० नं० 984-112 अलकापुरी रेम-कोर्स रोड बड़ीदा (कुल जमीन 14157 फीट वर्ग मीलीन वर्गला)

(पी० एन० मितल)

सधम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद।

दिनांक 4 फरवरी, 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1974

निवेश मं० 60/Acq/23-51/14-6/73-74:—यतः, मुझे,  
पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी मं० पी० ओ० नं० 1990/45 सेन्सस नं० 4/578/  
10, 11, 12 है, जो० महसाना में स्थित है (और इसमें उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता  
अधिकारी के कार्यालय, महसाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 8 अगस्त, 1973  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विश्वास के  
अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर्गतों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिसिञ्चित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रजनीकान्त नारायणदास पटेल अरुणकुमार नारायण दास पटेल भागीदार मैं० रजनी कान्त नारायण दास अन्ड ब्रह्म संसाना (अन्तरक)

(2) श्री बाबूलाल मणीलाल शाह याकेसी हन्दवदन जग-  
जीवन दास (अपयस्क) संरजक तारामती जगजीवन दास,  
महसाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पी० एन० मित्तल,  
मक्कम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II  
अहमदाबाद।

दिनांक 4 फरवरी 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुप आई० टी० एन० प८०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1,

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी, 1974

निर्देश मं० आई० प८० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-१/ /३३० (143)/७३-७४/७३०९:—यतः, मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० में अधिक है और जिसकी मं० ३६२६-३० है, जो मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन १४ अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुभरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रेम बन्नी विधवा श्री श्याम नाथ मेंगल (2) श्री जगजीवन नाथ मेंगल स्वयं तथा मंयुक्त परिवार के कर्ता की हैसियत में (3) श्रीमती ऊरा मेंगल विधवा श्री मतगुर नाथ मेंगल (4) श्री सुमेर नाथ मेंगल पुत्र श्री मतगुर नाथ मेंगल (5) श्री सुधर नाथ मेंगल पुत्र श्री गतगुर नाथ मेंगल सभी १२४-ई० कालका

जी, नई दिल्ली के निवासी (6) श्रीमती शबनम खुराना पली श्री रवीन्द्रप्रकाश खुराना निवासी १११-ई० प्रेटर कैलाश-११, नई दिल्ली द्वारा पंजीकृत मुख्यत्यार श्री हरिहर नाथ मेंगल तथा (7) श्री हरिहर नाथ मेंगल पुत्र श्री श्याम नाथ मेंगल स्वामी बाग, आगरा। (अन्तरक)

2. मै० उत्तम सिंह दुग्धल पैड सन्म प्रा० नि० द्वारा श्री ओम प्रकाश, मैनेजिंग डायरेक्टर, ३६२७, मोरी गेट, दिल्ली (अन्तरिती)

(3) मै० आर० प८० भोला राम पैड सन्म प्रा० नि०, ३६६२७ मोरी गेट, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में, सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या नतम्वधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पेरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जायदाद नं० १११/३६२६-३० मोरी गेट दिल्ली जो कि २०७५ वर्ग गज भूमि पर बनी है तथा निम्नलिखित प्रकार से घिरी है :—

उत्तर : दिल्ली वक्फ बोर्ड को जायदाद

दक्षिण : हन्डियन एक्सप्रेस विल्डिंग

पूर्व : मन्दिर बाली गली

पश्चिम : मड़क

डी० बी० लाल,  
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—१, दिल्ली, नई दिल्ली-१

दिनांक ७ फरवरी, 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रलेप आई० टी० एन० एम० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1974

तिर्देश मं०आई०ए०सी०/एक्य०/11/73-74 :—यतः, मृद्गे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिमक; उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिमकी म० डब्ल्य०-6.1 है, जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित (आर इस्से उपावड़ अनुसूची में पूर्व स्वप्न से वर्णित है), राजस्त्रीयता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजस्त्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 अगस्त, 1973 वो पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए २जिस्ट्रीकून विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मृद्गे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विद्या गया है :—

- (क) अन्तरण से इई किसी भाव की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिए सुनार बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सुदर्शन कौर पत्नी श्री गुरशरन मिह भाटिया निवासी 120/905 नाजिपत नगर, कानपुर (अन्तरक)

2 श्री रमेश चन्द्र आनन्द पुढ़ श्री बोध राज आनन्द निवासी 20 लाजपत नगर, जलनधर मिट्ठी (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वाग कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वाग यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान, नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फीहोल्ड जमीन का प्लाट नं० 61 ब्लाक नं० ८८ डब्ल्य० क्षेत्रफल ५३०.५ वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश -1, नई दिल्ली-४८ जो कि दिल्ली कार्पोरेशन की सीमा में याकूतपुर में निम्न प्रकार स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० ६३

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सर्विस लैन

मृद्गे वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 6 फरवरी, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज 2, दिल्ली-1

केंद्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1974

निर्देश मं० आई० प० मी०/प्रक०/11/73-74/—यतः  
मुझे मी० वी० गाने आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० में अधिक है और जिसकी मं० प्रक०/84 है, जो ऐंटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31 अगस्त, 1973 को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों वाले, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन की शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम लाल डांग पुत्र श्री सावन मल निवासी एम०/८/१०, ऐंटर कैलाश-1, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री मन्येन्द्र पाल न्यायी पुत्र श्री भेघराज न्यायी (2) श्रीमनी विमला गानी न्यायी पत्नी श्री मन्येन्द्र पाल न्यायी निवासी मी-५४ महारानो बाग नई दिल्ली आजकल एम०/८—ए० ऐंटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एनद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एनद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पंथ के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 / 1 / 2 भौजिली जायदाद जो कि फीहोल्ड प्लाट नं० एम०/८ धेन्ट्रफल 500 वर्ग गज परनिवासी कालोनी ऐंटर कैलाश-1 नई दिल्ली में निम्न प्रकार से बनी हुई है:—

पूर्व : प्लाट नं० एम-10

पश्चिम : प्लाट नं० एम-8

उत्तर : रायवास लैन

दक्षिण : सङ्क

मी०बी० गृह्ण

सम्मान प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 फरवरी, 1974

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी, 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/11/ 73-74:—

यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और ऑर.जिसकी मं० डब्ल्यू० 48-ए० है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (ऑर.इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वरित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के पद्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि�० 10-एफ० कनाट, पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री जगदीश चौपडा पुत्र श्री आर० ए० चौपडा निवासी ई-486 ग्रेटर कैलाश-11 नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरीख से 45 दिन की अवधि या तत्वंवंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्ष्मताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्णी पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका नं० 48 ए० क्षेत्रफल 100 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11 नई दिल्ली के गांधी बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित :— है

पूर्व : सर्विस लैन

पश्चिम : सड़क

उत्तर : प्लाट नं० डब्ल्य०/46

दक्षिण : प्लाट नं० डब्ल्य०/48

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 फरवरी, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केंद्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1974

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एच०/11/73-74/—यतः

मुझे, मी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० खसरा न० 82/1 है, जो भगवान दाम नगर, दिल्ली में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व स्पष्ट रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनेक्ष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मिद्धार्थ चौधरी (2) श्री अजय चौधरी पुक्ती गण चौधरी ब्रह्म प्रकाश निवासी जो-7 निजामुद्दीन वैस्ट, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मै० कैपिटन लैन्ड बिल्डरस (प्रा० लि०) पटोदी हाऊस दस्तिया गंज दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियन किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पैट्रोन पम्प थेन्कफल 2621 वर्ग गज (2 विघा + 12 विश्वास) 2/3 भाग जो कि खसरा न० 82/1 जो कि अधिकृत कालोनी भगवान दाम नगर, के गांव शकुरपुर दिल्ली में है।

मी० वी० गुप्ते  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 फरवरी 1974

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1974

निर्देश मं० आई० प० सी०/एक्य॑/१/एम० आर०-१  
अगस्त-१/३६०/(११८) /७३-७४/७३०३:—यतः मुझे, डी०  
बी० नाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० प्लाट नं० 10,  
डी० एल० एफ० इण्डियल एरिश है, जो नजफगढ़ रोड, नई  
दिल्ली में स्थित है (आ०र इसमें उपाखद अनुसूची में पूर्व स्पष्ट में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 8 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
भीच तय पाया भया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए मुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने  
के लिए मुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
प्रधाया 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री ज्ञान सिंह कलसी मुपुत्र श्री हरनाम सिंह कलसी
- (2) श्रीमती जसवन्त कौर पल्ली श्री ज्ञान सिंह कलसी (3)  
श्री जगदीश सिंह कलसी मुपुत्र श्री ज्ञान सिंह कलसी 82-डी मालचा

मार्ग, डिप्लोमेटिक इन्कलेव, नई दिल्ली (4) श्री कमलजीन  
मिह कलसी मुपुत्र श्री ज्ञान सिंह कलसी नवारा 12, ग्रैण्ड परेड,  
वैम्बले पार्क लण्डन (य०० के०) द्वारा आम मुख्यतयार श्री मनबीर  
मिह एडवोकेट पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली (5) श्री  
जमपाल सिह कलसी मुपुत्र श्री ज्ञान सिंह कलसी, डी-८२  
मालचा मार्ग, डिप्लोमेटिक इन्कलेव, नई दिल्ली द्वारा आम  
मुख्यतयार श्री मनबीर मिह, एडवोकेट पूसा मार्ग, करोल बाग,  
नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मै० कपूर प्रियर परोडैक्टस (प्रा०) लि० द्वारा डा० श्री  
बी० के० कपूर, 18/78 पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथाप्रभायित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट नं० 10-डी० एल० एफ० थोकफल 2228  
वर्ग मज जो डी० एल० एफ० इण्डियल एग्जिमा, नजफगढ़ रोड,  
नई दिल्ली जो गांव बरमाई दारापुर दिल्ली प्रांत, दिल्ली का  
क्षेत्र है में स्थित है।

डी० बी० लाल  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 फरवरी, 1974

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

श्रीजन रेंज 1, नई दिल्ली-1,

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1974।

निर्देश मं० अई० ए० ए० ए०/एक्स० 1/एस० आर०-1/  
अक्टूबर / 587(37) / 73-54/7302:-यतः, मुझे,  
डी० की० नाम आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, राजिग्राम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० की०-21 है, जो सी० सी० कालोनी आर० पो० ब्राग के साइरे में स्थित है (और उसमें उपावड़ अनुमूल्य में पूर्व रूप रो तरित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधित 27 अक्टूबर, 1973 को पूर्ववत् सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवारण करने वाला कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

आर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्ववत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्ता वर्त्तने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अनु: अब धारा 269-घ के अनुग्रहण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री धर्मवीर पुत्र श्री सुज लाल 58 प्रेम नगर, सद्गी मंडी,  
दिल्ली (अन्तरक)

2 श्री ब्रह्मा नन्द पुत्र श्री ब्रिष्मभर दियाल 21/18 शक्ति  
नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्ववत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हैं, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट न० बी०-21 जिसका क्षेत्रफल 200 एकड़ गज है, जो कि सी० सी० कालोनी राणा प्रताप बाग दिल्ली के सामने स्थित है तथा निम्नलिखित प्रकार जैसे घिरा हुआ है:—

उत्तर : सड़क 45 फुट

दक्षिण : सर्विसलैन 15 फुट

पूर्व : प्लाट न० बी०/22

पश्चिम : प्लाट न० बी०/20

ई० बी० लाल

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 6 फरवरी, 1974।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज,

चण्डीगढ़, दिनांक 29 जनवरी 1974

निदेश सं० एस० आर० एस०/1278/73-74/:-यतः,  
मुझे जी० पी० तिह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट है, जो इलनाबाद में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सिरसा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, अगस्त  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्त्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया  
गया। ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वान्तर सम्पत्ति  
के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे  
द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बहादुर }  
(2) श्री भाग राम } पत्र श्री शेरा राम  
निवासी इलनाबाद, तह० सिरसा। (अन्तरक)

(2) दी० प्रनिष्ठिल आफसर मै० मेठ सुरज मल काटन  
गिनिंग मिल्ज प्राइवेट लिं०; इलनाबाद, तह० सिरसा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि वर्ग किला न० 30219/2 9/2

2/1 1/2

0-13 1-5

10/2 11 12/1 20/2

कुल 24-0

5-13 7-18 4-12 3-19

जो इलनाबाद, तह० सिरसा में स्थित है।

(जायदाद रजिस्ट्रड डी० न० 2540 जो अगस्त 1973 में  
सब रजिस्ट्रार सिरसा ने किया।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 29 जनवरी, 1974

मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी, 1974

निवेश सं० सी० एच० छी० / 1333/73-74/—यतः,  
मुझे जी०पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 51-पी० मकान नं० 788 है, जो  
सेक्टर 22-ए०, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 अगस्त को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकुत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्ननिखित  
उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनन्कार अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

(1) श्री जगजीत सिंह मोती पुत्र श्री करतार सिंह मोती,  
(2) श्रीमती मुरिल्द कौर मोती निवारी, नं० 8, सेक्टर 21-ए०,  
चन्डीगढ़ । (अन्तरक)

(2) कुमारी रणबीर कौर पुत्री श्री रघवीर सिंह 108,  
दी माल, अबाला कैट । (अन्तरिती)

\*(3) (1) श्री मेजर बचन सिंह (रिटायरड)

(2) श्री प्रेम० पाल पंडित, एडवोकेट

(3) श्री छी० एस० बाली, एडवोकेट,

मकान नं० 788, सेक्टर 22-ए०, चन्डीगढ़ । (वह  
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 51-पी०, मकान नं० 788 सेक्टर 22-ए० चन्डी-  
गढ़ ।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 4 फरवरी, 1974

मोहर :

\* (जो सागू न हो उसे काट दीजिए) ।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज,

चंडीगढ़ 156, मैक्टर 9-बी

चंडीगढ़, दिनांक 29 जनवरी, 1974

निवेदण मं० बी० जी० आर०/1356/73-74—यतः, मुझे  
श्री जी० पी० मिह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज चंडीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
मं० बगलों न० बी०-1, एन० एच०-5 एन० आई० टी०  
है, जो फरीदाबाद में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बलनवगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 1973 अगस्त, को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये  
था, दिपाने के लिये गुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित यिये गये  
हैं।

अनः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपस्थारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती बलबीर कीर गत्नी श्री जी० एन० गुगल,  
बी०-1, एन० एच० न०-5, एन० आई० टी० फरीदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल पुत्र श्री दला गम, 3/18 पुराना  
राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्वांबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा भवेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाना है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाना है कि इस ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में व्यापक रूप से व्याप्ति हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

बगलों न० बी०-1, एन० एच० न० 5, एन० आई० टी०,  
फरीदाबाद।

जी० पी० सिह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चंडीगढ़

दिनांक : 29 जनवरी 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० प८० प८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1974

निवेदन सं० गी० एच० शी०/1371/73-74:—यत्, मुझे,  
जी०पी० यिह सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज  
चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) की धारा 269 वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपए में अधिक है  
और जिसकी सं० मकान न० 2391-2392 है, जो सैक्टर 22-  
मी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (जोर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरेटर अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 1973 अगस्त, वो पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण गे दृष्टि किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
या, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वं  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री विश्वा सागर कपूर एकान न० 2391, सैक्टर  
22-मी०, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) श्री कुल दीप सिंह प्रांत अलाचौर, जिला जालन्धर,  
(अन्तरिती)

(3) (1) श्री डा० गवन कुमार गुप्ता

(2) श्री एम० के० बसल मकान न० 2391, सैक्टर  
22-मी०-चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिर्भोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां गुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45  
दिन की अवधि या नवमंगली व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रोहस्ताक्षरी के पास  
निखिल में किए जा पाएंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएँगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-के व्यापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 2391--2392, सैक्टर 22-मी०, चण्डीगढ़ ।

जी० पी० सिंह  
मकान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 4 फरवरी, 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुप आई० टी० पी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैकटर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 29 जनवरी 1974

निवेद सं० बी० जी० आर०/1400/73-74:—यतः,  
मुझे श्री जी०पी० मिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० प्लाट न० 21 पर बिल्डिंग बाटारोड, एन० आई०  
टी० है जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय, बल्बगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 अगस्त,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
तय पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखने में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपलब्ध (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती शीला मुन्द्रा (शीला मेर्स्ट) पत्नी करनल  
थी जे०पी० मेर्लट, डी०-४/८, बमन बिहार नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण लाल

{पुन श्री राम लाल (अन्तरिती)  
(2) श्री मुन्द्र लाल}

निवासी 1-जी०-२२, टाउन शिप फरीदाबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो,  
तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 21 पर बिल्डिंग बाटा रोड एन० आई० टी०,  
फरीदाबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 272, अगस्त  
1973 के अनुसार सब रजिस्ट्रार बल्बगढ़ के दफ्तर में  
लिखा है।

जी० पी० सिंह  
मन्त्री प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 29 जनवरी, 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैकटर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 7 फरवरी 1974

निदेश सं० सी० एच० ई०/1378/73-74:—यतः,  
 मृम्मे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त  
 (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961  
 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सकाम प्राधिकारी  
 को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
 जिसकी सं० मकान नं० 26 है, जो सैकटर 3-ए०, चण्डीगढ़  
 में स्थित है (और इसमें उपाबठ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में  
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन 1973, अगस्त को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
 के उचित बाजार मूल्य मेंकम के दृश्यमान प्रति-  
 फल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और  
 मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
 प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
 (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच नव गाया गया  
 ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
 अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री नगिन्द्र सिंह द्विलो पुत्र श्री करनार सिंह कोठी न० 26 सैकटर 3-ए० चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल मोहन पुत्र श्री अमर नाथ मेहता मकान न० 40 सैकटर 27-ए० चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिली को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 26, सैकटर 3-ए०, चण्डीगढ़।

जी०पी० सिंह  
 मकान प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 7 फरवरी, 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिए)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 फरवरी 1974

निर्देश सं० सी०ए०डी०/१३३५/७३-७४—यतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० ने अधिक है और जिसकी संख्या मवान नं० ११, मैट्टर 10-ए है, जो चण्डीगढ़ में रिहू है आर इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूल विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और स्वेच्छा स्वेच्छा विवाद करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने के लिए रुकार बनाना; और/या
- (ख) ऐसी विवरी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कान्ता मैहरा, पत्नी श्री एम० पल० मैहरा, निवासी आनन्द बिलिंग, अङ्गाला कैट।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जगत सिंह पुत्र श्री विक्रम सिंह,

(2) श्री बलिहार मिह, पुत्र श्री जगत सिंह, निवासी गांव और डाकघासा कोट गर्वाल, तहसील फलौर, जिला जलन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा वार्पवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन वार्षिकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमाप्त होती है, के भातर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** — इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राहायशी मकान नं० 79, मैट्टर 16-ए, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,  
सक्रम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुष्टत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 7-2-1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

## संघ लोक सेवा आयोग

## विज्ञापन सं० ७

तिम्ननियित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किया जाता है। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1974 को निर्धारित आयु-सीमाओं के अन्तर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके सम्बन्ध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित नोंगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया उगांडा और मंग्युक्त गणराज्य दंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों में प्रव्रजन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिग जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परस्परितियों को छोड़कर, अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी की स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से मुद्योग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा बेतत न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य पांच अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक बेतत दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण भर्त्तिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, में प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करने भवय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं भद्र-संख्या अवश्य लिखें और साथ हो प्रत्येक पद के लिए क्रम से कम 23% 10 म० मी० आवेदन का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन कर आए भारत आए क्षमतुः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1974 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क सापेक्ष मरकता हो जो शाखार्थी पर्याप्त हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-प्रपत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सार्वे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और म्पार्टीय भारतीय दूतावास में युल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिग जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर महित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अनिम तारीख 18 मार्च 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप नमूने तथा लक्ष्मीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 2 अप्रैल, 1974 है)। ज्ञानाना रसीदों को र्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम संख्या 13 का पद स्थायी है। क्रम संख्या 1,11,16 और 18 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम संख्या 14 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके स्थायी कर दिए जाने की संभावना है। क्रम संख्या 12 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके स्थायी रहने की संभावना है।

और 20 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक बल्ते रहने की संभावना है। क्रम संख्या 12 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके भल्ते रहने की संभावना है।

क्रम संख्या 12 के 2 पद आरं त्रम संख्या 14 के 1 पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आवश्यक हैं। त्रम संख्या 14 के 2 पद आरं त्रम संख्या 17 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आवश्यक है। त्रम संख्या 15 का 1 पद यह एसे उम्मीदवार मिलते हैं तो अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आवश्यक है अन्यथा यदि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिग जातियों का उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलता तो उस अनावश्यक गम्भीरा जाएगा।

क्रम संख्या 3 और 5 के पद अनुसूचित आदिग जातियों के उम्मीदवारों के लिए आवश्यक हैं जिनके लिए केवल ते ही आवेदन करें। क्रम संख्या 6 का पद अनुसूचित आदिग जातियों के उम्मीदवारों के लिए आवश्यक है जिनके लिए केवल दे ही आवेदन करें।

त्रम संख्या 14 के 6 पद आरं त्रम संख्या 17 तथा 19 में से प्रत्येक वा एक पद यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हैं तो उन आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए आवश्यक हैं जिन्हें 1-1-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व भूतपूर्व रेनाओं में कर्मजन प्राप्त था या जो पर्याप्त तारीख में पहले विभी वर्षीय संघीय प्राप्त हुआ था। और जो निम्नकृत हों/गैर्य सेवा के बारण हुई विकलांगों के फल-स्वस्प अंतग हों/निम्नकृत होने वाले हों अल्पकृत उन्हें अनावश्यक समझा जाएगा।

1. एक आवार्य, प्रशिक्षण और व्यवस्था, विल्सो इंजीनियरों कालेज, विल्सो प्रशासन, विल्सो। बेतत :—रु० 1100-50-1300-60-1600। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इंजीनियरी में क्रम से क्रम द्वितीय श्रेणी की डिप्लोमा अथवा साक्षकारी ग्राम्यकृति (ii) व्यावसायिक कार्य/अनुभवों/जैविक एवं कृषि से क्रम से कम 10 सालों का अनुभव जिसमें न लगे न रहे 5 वर्षों का अनुभव जिसमें प्रतिशिल्प समर्गठित उद्योग में हो।

2. प्रशिक्षण का एक उप निदेशक (यंत्र व्यवस्था), रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिकेशालय, श्रम संलग्नता विवरण :—रु० 1100-50-1400। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) विसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यंत्र व्यवस्था इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा अथवा यंत्र व्यवस्था के विशेष विषय के साथ प्रथम भोल्की में 'ग्राहक' डिप्लोमा अथवा गम्भीर योग्यता। (ii) स्नातक वर्षों के बाद उगादन कार्य में रहने किसी विद्यालय कर्मशाला या नारकालि या प्रतिशिल्प में प्रशिक्षणीय हैमियत से लगभग 7 वर्षों का अनुभव जिसमें विल्सो मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्था में अध्यापन का अनुभव भी समिलित हो। (iii) प्रशासनिक अनुभव। (iv) इंजीनियरी और भवन व्यवसायों का कार्यसाधक ज्ञान जो वर्गीयतः कृतीय और/या लघु उद्योग से संबद्ध हो।

3. प्रशिक्षण का एक उप-निदेशक (बौद्धोगिक इसेक्ट्रामिकी), रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिवेशालय, श्रम मंत्रालय। वेतन :—रु. 1100-50-1100। आयु-सीमा :—50 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में दूर संचार/दैर्घ्य संचार/उच्चन्द्रिनिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक बनने के बाद उत्पादन कार्य में रत किसी विद्यालय में रसायन हंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) स्नातक बनने के बाद उत्पादन कार्य में रत किसी मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्था में अध्यापन का अनुभव भी मामिलित हो। (iv) प्रशासनिक अनुभव। (v) हंजीनियरी और भवन व्यवसायों का कार्यसाधक ज्ञान जो वर्गीयतः कृटीर और/या नवु उद्योगों में में मंबद्ध हो।

4. सिविल इंजीनियरी (संरचना) का एक सहायक आचार्य, इंजीनियरी कालेज, विल्सी प्रशासन, विल्सी। वेतन :—रु. 700-50-1250। आयु-सीमा :—10 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में कम में कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से संरचना में विणेलजना सहित इंजीनियरी में स्नातकोत्तर डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) मास्टर डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए कम से कम 5 वर्ष ('आक्टरेस' डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए 3 वर्ष) का अनुसंधान/व्यावसायिक कार्य/डिग्री स्तर पर अध्यापन का अनुभव।

5. प्रशिक्षण का एक महानिदेशक, रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिवेशालय, श्रम और पुनर्वास मंत्रालय। वेतन :—रु. 700-40-1100-50/2-1150। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से धातु विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक बनने के बाद उत्पादन कार्य में रत किसी विद्यालय कर्मशाला या प्रतिष्ठान में अथवा किसी मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्था में अध्यापन का लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

6. प्रशिक्षण का एक सहायक निदेशक, रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिवेशालय, श्रम और पुनर्वास मंत्रालय। वेतन :—रु. 700-10-1100-50/2-50-1150। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में कृषि इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक बनने के बाद उत्पादन कार्य में रत किसी विद्यालय कर्मशाला या कारखाने या प्रतिष्ठान में पर्यवेक्षकीय हैमियत से अथवा किसी मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्था में अध्यापन का लगभग 5 वर्ष का अनुभव। (iii) प्रशासनिक अनुभव।

7. प्रशिक्षण का एक महानिदेशक, रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिवेशालय, श्रम और पुनर्वास मंत्रालय। वेतन :—रु. 700-40-1100-50/2-1150। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में आटो-मोर्टाइल इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक बनने के बाद उत्पादन कार्य में रत किसी विद्यालय कर्मशाला या कारखाने या प्रतिष्ठान में पर्यवेक्षकीय हैमियत से अथवा किसी मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्था में अध्यापन का लगभग 5 वर्ष का अनुभव। (iii) प्रशासनिक अनुभव।

8. प्रशिक्षण का एक उप-निदेशक (बौद्धोगिक इसेक्ट्रामिकी), रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिवेशालय, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय। वेतन :—रु. 700-40-1100-50/2-1150। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में रसायन हंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक बनने के बाद उत्पादन कार्य में रत किसी विद्यालय कर्मशाला या कारखाने या प्रतिष्ठान में पर्यवेक्षकीय हैमियत से अथवा किसी मान्यताप्राप्त संस्था में अध्यापन का लगभग 5 वर्ष का अनुभव। (iii) प्रशासनिक अनुभव।

9. एक बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड II, भूज्य स्थानिक इंजीनियरी (आर०टी०ओ०), बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु. 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में वैद्युत इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) वायु-यान वैद्युत उपकरण, वायु निपीड़न कैव्रिय गति संस्थान-यंत्र संस्थापन के अभिकल्पन पर विकास का लगभग दो वर्ष का अनुभव।

10. एक तकनीकी अधिकारी (यंत्र व्यवस्था), रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिवेशालय, श्रम और रोजगार विभाग, श्रम मंत्रालय। वेतन :—रु. 400-400-450-30-600-35-670-द० ग्र०-35-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में यंत्र-व्यवस्था इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में डिग्री या प्रयोक्त भौतिकी में "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक बनने के बाद यंत्र व्यवस्था में लगभग एक वर्ष का अनुभव।

11. एक सह-आचार्य, जीव-रसायन विज्ञान तथा पोषाहार, अखिल भारतीय स्वास्थ्य एज्ञान तथा लोक स्वास्थ्य संस्थान, कसकसा, स्वास्थ्य और परिवार विभोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)। वेतन :—रु. 1100-50-1400। आयु-सीमा :—15 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में जीव-रसायन विज्ञान पोषाहार में एम०एस०-सी० डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मेडिकल कालेज या स्नातकोत्तर विज्ञान और या अनुसंधान संस्थान में जीव-रसायन विज्ञान और पोषाहार के लिए एवं प्रध्यापन और अनुसंधान का 7 वर्ष का अनुभव।

12. पांच उप-निदेशक (संक्षेप एवं अनुसंधान), कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग)। वेतन :—रु. 700-50-1250। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में कृषि विज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) सरकारी विभागों या विद्यालय वाणिज्यिक गृहों में खाद्यान्नों के संचय, स्टाक के अनु-रक्षण अथवा खाद्यान्नों के परीक्षण, निरीक्षण या विणेन्यण का लगभग 5 वर्ष का अनुभव। अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि-विज्ञान में डिग्री या रसायन विज्ञान या जीव विज्ञान या प्राणि विज्ञान या वनस्पति विज्ञान के विषय के साथ विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) सरकारी विभागों

या विषयान वाणिज्यिक गृहों में ब्राह्मणों के संचय, स्टाक के अनुरक्षण अथवा श्रावाचों के परीक्षण, निरीक्षण और विज्ञेयण का लगभग 7 वर्ष का अनुभव ।

13. एक जीव रसायनक, हिन्दुराष अस्पताल, घिल्ली नगर नियम । वेतन :—रु. 450-30-660-द० रो०-40-1100-50-1250। आयु : सीमा :—35 वर्ष। गरकारी कर्मचारियों और डिल्ली नगर नियम : 3 संवार्ष। जो छढ़ दी जा सकती है। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय व जीव-रसायन विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की मास्टर डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मेडिकल कॉलेज या अस्पताल में नैदानिक जीव-रसायन विज्ञान में लगभग 5 वर्ष व अनुभव। अथवा (i) जीव-रसायन विज्ञान/जीव रसायन विज्ञान व युक्त शरीर-क्रिया-विज्ञान में “आइटर्नेट” डिग्री। (ii) किसी मेडिकल कॉलेज या अस्पताल में नैदानिक जीव-रसायन विज्ञान में लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

14. बारह मौसम विज्ञानी ग्रेड II, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय। वेतन :—रु. 400-40-800-50-950। आयु : सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—३ पदों के लिए निम्ननिम्नित विषयों में से किसी एक में द्वितीय श्रेणी की एम० एम० मी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।—मौसमविज्ञान, भौतिकी, मांशिकी, गणित, प्रयोग भौतिकी तथा भूभौतिकी (भूभौतिकी में योग्यता खबनवाले उम्मीदवारों में निम्ननिम्नित में से किसी एक विषय में विशेषज्ञता प्रपंचित है)। मौसम विज्ञान, ममुद्र विज्ञान, जल विज्ञान (Hydrology), भू-चुम्बकत्व (Geomagnetism) और भूकम्पविज्ञान (Seismology)। ७ पदों के लिए : रेडियो भौतिकी या इलेक्ट्रोनिकी या दूर मंचार में विशेषज्ञता के साथ भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की एम० एम०-मी० डिग्री अथवा दूर-मंचार इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) उपर्युक्त विषयों या धोनों में से किसी एक में अनुसन्धान का लगभग 2 वर्ष का अनुभव, जो प्रमाणित नेतृत्व द्वारा प्रमाणित हो मर्मी पदों के लिए।

15. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (जीव विज्ञान), केन्द्रीय विधि चिकित्सा विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय व्यारो अवेषण व्यवस्था वेतन :—रु. 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु : सीमा :—30 वर्ष। योग्यता : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वनस्पति-विज्ञान, प्राणिविज्ञान, मानवविज्ञान, या जीव-रसायन विज्ञान में एम० एम० सी० योग्यता दृसक म समकक्ष डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) प्राणिविज्ञान, वनस्पतिविज्ञान, मानवविज्ञान अथवा जीव-रसायन विज्ञान में विशेषज्ञात्मक कार्य और अनुसन्धान का लगभग नीन वर्ष का अनुभव।

16. एक निश्चेतना विज्ञानी, केन्द्रीय अस्पताल, धनबाद, कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि संगठन, स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय। केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा ब्लास 1 का विशेषज्ञता ग्रेड। वेतन :—रु. 600-40-1000-द० रो०-50-1300 तथा साथ में वेतन के 50 प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु. 600/- प्रतिमास होगा। आयु : सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) वही जो उपर्युक्त मद संख्या 16 (i) में है। (ii) आयुविज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यता जैसे एम० डी०, एम० आर० सी० पी०, पी०-एन० डी० (मेडिकल), एम० एस०-सी० (मेडिकल), एम० एस०-सी० (मेडिसिन) (नागपुर), या एल० मैट० (डिल्ली) अथवा समकक्ष योग्यताएँ। (iii) आयुविज्ञान में किसी दायित्वपूर्ण पद पर स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के लिए क्रमशः कम से कम 3/5 वर्ष का कार्य।

रु. 600/- प्रतिमास होगा। आयु : सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) भारतीय मेडिकल कार्डिनियम, 1956, की प्रथम या द्वितीय अनुसूची भें अथवा तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध योग्यताओं का डाउडकर) मान्य मेडिकल योग्यता। तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध यैक्षिक योग्यताओं से युक्त उम्मीदवारों को भारतीय मेडिकल कार्डिनियम, 1956, की धारा 13 (3) में निर्धारित जर्ती को भी पूरा करना होगा। (ii) निश्चेतना विज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यता जैसे एफ० एफ० ए० आर० सी० एम० एम० डी०/एम० एम० (निश्चेतना विज्ञान के विशेष विषय के साथ) या डी० ए० आर० सी० पी० एण्ड एम० (डिल्ली), डी० ए० अ० अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) विशेषज्ञता में मम्बद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के लिए क्रमशः कम से कम 3/5 वर्ष का कार्य।

17. दो कार्य-चिकित्सक, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) इन पदों के केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा ब्लास 1 के विशेषज्ञता ग्रेड में सम्मिलित कर लिए जाने की संभावना है। वेतन :—रु. 600-40-1000-द० रो०-50-1300/-तथा साथ में वेतन के 50 प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु. 600/- प्रतिमास होगा। आयु : सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) वही जो उपर्युक्त मद संख्या 16 (i) में है। (ii) आयुविज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यता जैसे एम० डी०, एम० आर० सी० पी०, पी०-एन० डी० (मेडिकल), एम० एस०-सी० (मेडिकल), एम० एस०-सी० (मेडिसिन) (नागपुर), या एल० मैट० (डिल्ली) अथवा समकक्ष योग्यताएँ। (iii) आयुविज्ञान में किसी दायित्वपूर्ण पद पर स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के लिए क्रमशः कम से कम 3/5 वर्ष का कार्य।

18. एक विकिरण चिकित्सक, केन्द्रीय अस्पताल, कल्ला आसनसोल कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि संगठन, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय, (स्वास्थ्य विभाग)। इस पद के केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा ब्लास 1 के विशेषज्ञता ग्रेड में सम्मिलित कर लिए जाने की संभावना है। वेतन :—रु. 600-40-1000-द० रो०-50-1300 तथा साथ में वेतन के 50 प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु. 600/- प्रतिमास होगा। आयु : सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) वही जो उपर्युक्त मद संख्या 16 (i) में है। (ii) विकिरण चिकित्सा में स्नातकोत्तर योग्यता जैसे एम० डी० (रेडियोलॉजी), या विकिरण चिकित्सा के विशेष विषय क्षहित एग० डी०/एम० आर० सी० पी०, डी० एम० आर० ई० (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम) या समकक्ष योग्यता, डी० एम० आर० ई० (एक वर्षीय पाठ्यक्रम), डी० एम० आर० ए० (एक वर्षीय पाठ्यक्रम), डी० एम० आर० डी० (एक वर्षीय पाठ्यक्रम) या समकक्ष योग्यता। (iii) विशेषज्ञता में मम्बद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के लिए क्रमशः कम से कम 3/5 वर्ष का कार्य।

19. तीन कर्निष्ठ रोगविज्ञानी, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा कामपुर मेरठ और अजियमेर, पांडिचेरी, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)।

**वेतनः—**—रु० 150-30-660-द० रु०-10-1100-50-1250 तथा माथ में बेतन के 50 प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने वा भत्ता जो अधिक रु० 600/-प्रतिमास होगा। (भानकान्तर डिप्लोमा-धारी व्यक्तियों ने निए दो ग्राम्य वेतन-वृद्धियां तथा स्नातकोत्तर दियी धारी व्यक्तियों के निए तार अधिक वेतन वृद्धिया)। **आयु सीमा** :—35 वर्ष। **योग्यताएः** अनिवार्यः—(i) वही जो उपर्युक्त मद मन्द्या 16(i) में है। (ii) गोगविज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यताएः जैने एम० डी० (पैथ०), एम० डी० (पैथ० एण्ड वैकट०), एम० एम० सी० (पैथ०), एम० एस-सी० (पैथ० एण्ड वैकट०), पी०-एच० डी० (पैथ० एण्ड वैकट०), डी० एम०-सी० (पैथ० एण्ड वैकट०), डी० सी० पी०, डी० पी० बी० यथवा समक्ष योग्यता। (iii) मेडिकल स्नातक के रूप में पंजीकरण के बाद पांच वर्ष का अनुभव।

20. दूरदर्शन प्रस्तुतीकरण का एक विभागाध्यक्ष, भारतीय व्यापिक तथा दूर दर्शन संस्थान का दूर दर्शन प्रशिक्षण केन्द्र, पूना सूचना और प्रसारण मंत्रालय। **वेतनः—**—रु० 1100-50-1400। **आयु सीमा** :—45 वर्ष। **योग्यताएः** अनिवार्यः—(i) भारतीय चन्द्रचित तथा दूरदर्शन संस्थान ने निदेशन/निर्माण/लक्ष्य नेतृत्व में डिप्लोमा अथवा भारतीय चलचित्र तथा दूर दर्शन संस्थान

के दूरदर्शन प्रशिक्षण केन्द्र में दूर-दर्शन पाठ्यक्रम पूरा करने का प्रमाण-पत्र अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिप्लोमा अथवा समक्ष योग्यता। (ii) दूरदर्शन या रेडियो या चलचित्र पर प्रस्तुतीकरण वा कम से कम 7 वर्ष का अनुभव जिसमें में कम से कम एक वर्ष दूरदर्शन में हो।

### शुद्धि पत्र

**सहायक आयुक्त (मासिकी आयोजन), कृषि मंत्रालय, (कृषि विभाग)** सम्बन्धः—दिनांक 29-12-1973 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन मन्द्या 52 की मद सम्भ्या 4। मर्व-साधारण की जानकारी के निए अधिसूचित किया जाता है कि यदि अनुसूचित जातियों का उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलता है तो यह पद अनारक्षित समझा जाएगा। अन्य शर्तें पूर्ववत् हैं। आवेदन-पत्र स्वीकार करने की प्रतिम तिथि 18-3-1974 (विदेश में तथा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह और लक्ष्मण राज्य में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 2-4-1974) तक बढ़ा दी गई है। जो व्यक्ति आयोग के पूर्व विज्ञापन के आधार पर पहले ही आवेदन कर चुके हैं उन्हें फिर से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

ग्रामोक चन्द्र बन्दोपाध्याय,  
सचिव,  
मंत्र लोक सेवा आयोग

### SUPREME COURT OF INDIA (ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 31st January 1974

NO. 120-74-SCA(I).—Consequent upon his appointment as Additional Government Advocate in the Ministry of Law Justice and Company Affairs New Delhi, Shri Girish Chandra, Assistant Editor, Supreme Court Reports has been relieved of his duties with effect from the afternoons of the 1st January 1974.

S. K. GUPTA, Registrar (Admn.)  
Supreme Court of India

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 28th January 1974

No. A32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service, vice this office Notification No. A 32013/1/73-Admn.I, dated 15th October, 1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 1st December, 1973.

The 31st December 1973

No. A32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri C. R. Anand a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months with effect from 2-12-73 to 3-3-74 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A32014-1-73-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated the 10th December, 1973, Shri S. Mukherjee, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, has been allowed to continue to hold the post of Section Officer for a further period of 28 days from the 1st January 1974 to the 31st January, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.  
(Incharge of Administration),  
Union Public Service Commission.

New Delhi, the 31st December 1973

No. A32013/1/74-Admn.I.—Miss. S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vice this office Notification No. A 32013/1/73-Admn.I, dated 15th October, 1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 1st December, 1973.

2. On her reversion, Miss S. T. Keswani, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 1st December, 1973.

No. A32013/1/74-Admn.I.—Shri B. B. Mehra a permanent officer of the Selection Grade of the Central Secretariat Stenographers' Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the CSS vide this office Notification No. A32013/1/73-Admn.I, dated 5-12-1973, relinquished charge of the office of Under Secretary Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 2nd January, 1974.

2. On his reversion, Shri B. B. Mehra resumed charge of the office of Private Secretary (Selection Grade of CSS) in the office of the Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 2nd January, 1974.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.  
Union Public Service Commission

### CABINET SECRETARIAT DEPTT. OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

New Delhi the 10th January 1974

No. 344/73-AD.V.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri Dibakar Acharya, an I.P.S. officer of

Uttar Pradesh Cadre, as Supdt of Police, (Crime Prevention) in the Co-ordination Wing in the C.B.I., New Delhi with effect from the forenoon of the 24th December, 1973, until further orders.

The 4th February 1974

No. 4/3/73-AD.V.—Director, C.B.I. and I.G.P., S.P.E. hereby appoints the following deputationists Inspectors as Dy. Supds. of Police in the C.B.I. in a temporary capacity with effect from the dates mentioned against their names, and until further orders :—

S. No.	Name	State from which on deputation	Date from which appointed as Dy Supdt, of Police
1	2	3	4
<b>S/Shri</b>			
1.	Om Parkash	Haryana	4-1-74 (A. N.)
2.	K. K. Sharma	Punjab	9-1-74 (F. N.)
3.	K. Satyanarayna	Andhra Pradesh	11-1-74 (AN.)

The 5th February 1974

No. PF/A-3/73-AD.V.—Shri A. Rajamohan, S.P., C.B.I., GOW, Madras relinquished charge of his office on the forenoon of the 16th January, 1974 and assumed charge of office as S.P., C.B.I., SPE, EOW, Madras on the forenoon of the 16th January, 1974.

G. L. AGARWAL, Administrative Officer (E)  
C.B.I.

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi-1, the 29th January 1974

No. 2/7/73-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri M. K. Vasudevan, a Selection Grade Officer of the C.S.S., as Commissioner for Departmental Enquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 25th January, 1974, until further orders.

B. V. DIGHE, Under Secy. (Admn.)  
for Central Vigilance Commissioner.

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE A.G.C.R. NEW DELHI

New Delhi, the 5th February 1974

No. Admn.I/5-5/Promotion/70-74/2790.—The Accountant General Central Revenues has appointed Shri J. N. Chopra permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the revised scale of Rs. 840—1200, with effect from 25-1-74 AN until further orders.

H. S. DUGGAL, Sr. Dy. Accountant General (A)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 4th February 1974

No. Estt.A/IV.9-86/348.—The Accountant General, Kerala, is pleased to appoint the following permanent Section Officers (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the dates shown against each.

1. Shri N. Madhavan Nair—1-2-1974 Forenoon.
2. Shri C. C. Issac—4-2-1974 Forenoon.
3. Shri K. P. Ramakurup—1-2-1974 Afternoon.
4. Shri R. Neelakantan Nair—1-2-1974 Afternoon.
5. Shri K. V. Mathai—2-2-1974 Afternoon.
6. Smt. I. Rajammal—4-2-1974 Forenoon.

K. GANESAN, Dy. Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

##### SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 5th February 1974

Shri S. V. P. V. Bhaskara Rao, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service in the Office of the Chief Auditor, South Eastern Railway, Calcutta has been promoted temporarily to officiate as an Audit Officer with effect from the 16th November 1973 (A.N.) until further orders.

H. S. SAMUEL, Chief Auditor.

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES

##### (DEPARTMENT OF MINES)

##### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 25th January 1974

No. 326B/2222(SKM)/19A.—Shri Swapan Kumar Mukhopadhyay is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 350/- per month in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30-11-1973, until further orders.

No. 333B/40/59/C/19A(P).—Shri Sailendra Nath Roy, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800/- on ad-hoc basis with effect from 10-12-1973 (F.N.) until further orders.

The 30th January 1974

No. 364B/2339(RPS)/19B.—The following Senior Technical Assistants (Geophysics), Geological Survey of India, are appointed as Assistant Geophysicist in the same Department on pay according to rules in temporary capacities in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900/- with effect from the date shown against each, until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri Rajendra Prasad Singh	2-11-1973 (FN)
2.	Shri Ashwani Kumar	12-11-1973 (FN)

No. 363B/2339(AB)/19B.—Shri Aloke Bagchi, M.Sc., is appointed as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on initial pay of Rs. 350/- per month in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 22nd November, 1973, until further orders.

M. K. ROY CHOWDHURY, Director General

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th February 1974

No. A.32013/4/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Sharman, Senior Communication Officer to the grade of Assistant Director of Communication with effect from the 28th June, 1973 F.N. on an ad-hoc basis in the office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi,

2. The President is also pleased to appoint Shri B. N. Sharman to the grade of Assistant Director of Communication with effect from 11th January, 1974 F.N. in an officiating capacity on a regular basis and until further orders in the office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi.

M. G. THOMAS, Director of Admn.  
for Director General of Civil Aviation

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-2  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd February 1974

Ref. No. F. 820/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269D, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 3956/2 situated at Kesavaperumalpuram Colony, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore on 14-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri A. Kanakammal, W/o A. Appaswami, 134, Lloyds Road, Madras-14.

(Transferor)

- (2) 1. Shri A. V. Raghavan;
- 2. Shri C. Kamalaratnam; and
- 3. Shri C. Krishnaswamy.

No. 53, IV Cross Street, Mandhavelipakkam, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 8428 Sq. ft. in Survey No. 3956/2 in Kesavaperumalpuram Colony.

A. RAGHAVENDRA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-2,  
Madras-6.

Date : 2-2-1974.

Seal :

## FORM ITNS

(2) For Re-Rolling Mills, Smt. Santara Kumari Jain,  
W/o. Shri Nirmal Kumar Jain, Meherpur, Silchar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 4th February 1974

Ref. No. A-25 SLC 73-74/2443.—Whereas, I, N. Pachua, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (a) RS Patta No. 194 Dag No. 533/534/534/1397, (b) RS Patta No. 190 Dag No. 507, (c) RS Patta No. 197 Dag No. 514/515, (d) RS Patta No. 198 Dag No. 523/522 situated Ambicapur, Part-X, Silchar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 18-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Pyari Singh, S/o Jageswar Singh, Meherpur, Silchar.  
(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the Objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land situated at Silchar-Hailakandi Road (about 5 Km. from Silchar Central point) in Mouza Ambicapur Part X, Pargana Barakpar, Silchar (Sadar) and bearing No. as under—

- (i) Under RS Patta No. 194 Dag No. 533/534/534/1397, 1 B 11 K 2 Ch.
- (ii) Under RS Patta No. 190 Dag No. 507, 0 B 18K 3 Ch.
- (iii) Under RS Patta No. 197 Dag No 514/515, 4B. 3K 12 Ch.
- (iv) Under RS Patta No. 198 Dag No. 523/522, 10B 8K 10 Ch.

Total 17B 1K 11 Ch.

N. PACHUAU  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 4-2-74

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II—2nd FLOOR,  
HALIDUOON HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 4th February 1974

Ref. No. 61/Aeq. 23-51/4-6/73-74.—Whereas, I. P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P.S. No. 1990/45 situated at Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mehsana on 8-8-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajnikant Narandas Patel; Shri Arunkumar Narandas Patel Partners of M/s. Patel Rajnikant Narandas & Bros., Mehsana.  
(Transferor)

(2) Smt. Shardaiben Babulal Shah, Krishna Nagar Society, Mehsana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

P.S. No. 1990/45, Garage of Ramkrishna Roller Flour Mill of Mehsana. Total land area 3011 Sq. ft.

P. N. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 4-2-1974.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Ramgauri alias Rekhagauri Bhogilal Kothari,  
45 Alkapuri, Race Course Road, Baroda.  
(Transferee)

(3) M/s. Gujarat Auto Gears Ltd., 45, Alkapuri, Race  
Course Road, Baroda.  
(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II—2nd FLOOR

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 4th February 1974

Ref. No. 59/Acq. 23-59/6-2/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Baroda Kasba No. 12—S. No. 984-112 situated at 45, Alkapuri, Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 2-8-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dhanuben Sumanbhaji Patel, Kodak House, 3rd floor, Dr. D. N. Road, Bombay-1.  
(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 45, Survey No. 984-112, Alkapuri, Race Course Road Baroda—Land measuring 14157 Sq. ft. (with bungalow).

P. N. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 4-2-1974.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II—2nd FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 4th February 1974

Ref. No. 60/Acq. 23-51/14-6/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the Competent authority under section 269-B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P.S. No. 1990/45 Census No. 4/578/10, 11, 12 situated at Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Mehsana on 8-8-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Rajkant Narandas Patel; Shri Arunkumar Narandas Patel Partners of M/s. Rajnikant Narandas & Brothers, Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Babulal Manilal Shah, Shri Indravandan Jagjivandas Chokshi (minor)—guardian Taramati Jagjivandas, Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

P.S. No. 1990/45 Census No. 4/578/10, 11, 12—Two storeyed Building together with compound of Ramkrishna Roller & Flour Mill at Mehsana.  
Total area 4748 Sq. ft.

P. N. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 4-2-1974.

Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1974

Ref. No. IAC/ACQ. I/SR-I/Aug. 1/330(143/73-74/7309)  
 —Whereas, I, D. B. Lal,  
 being the Competent Authority under section  
 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason  
 to believe that the immovable property, having a fair market  
 value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 3626-3630 situated at Mori Gate Delhi  
 Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed  
 hereto), has been trans-  
 fered as per deed registered under the Indian Registration  
 Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer  
 Delhi on 14th August, 1973  
 for an apparent considera-  
 tion which is less than the fair market value of the aforesaid  
 property and I have reason to believe that the fair market  
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
 consideration therefor by more than fifteen per cent of  
 apparent consideration and that the consideration for such  
 transfer as agreed to between the transferor(s) and the  
 transferee(s) has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) (1) Smt. Prem Wattu Wd/o Sh. Shyam Nath Sehgal, (2) Sh. Jagiwan Nath Sehgal for self and

as karta of HUF, (3) Smt. Usha Sehgal Wd/o Sh. Satgun Nath Sehgal, (4) Sh. Sumer Nath Sehgal S/o Sh. Satgun Nath Sehgal (5) Sh. Sudhar Nath Sehgal S/o Sh. Satgun Nath Sehgal all r/o 124F Kalkaji, New Delhi, (6) Smt. Shabuan Khurana W/o Sh. Rabinder Parkash Khurana 111-E, Greater Kailash Part-II, New Delhi through registered Power of Attorney Sh. Harihar Nath Sehgal & (7) Sh. Harihar Nath Sehgal S/o Sh. Shyam Nath Sehgal, Swami Bagh, Agra.

(Transferor)

- (2) M/s. Uttam Singh Duggal & Sons Private Ltd. III/3627, Mori Gate, through Shri Om Parkash, Managing Director.

(Transferee)

- (3) M/s. R. S. Bhola Ram & Sons Pvt. Ltd. III/3627 Mori Gate, Delhi.  
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property No. III/3626-30, Mori Gate, Delhi constructed on a plot of land measuring 2075 sq. yds. and bounded as under :—

North—Property of Delhi Wakf Board

South—Indian Express Building

West—Road

East—Mandir Wali Gali.

D. B. LAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax.  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

Date : 7-2-1974.

Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1974

Ref. No. IACIAcq. Range-II/73-74.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have a reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-61, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 30-8-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sudershan Kaur Wife of Shri Gursharan Singh Bhatia, R/o 120/905, Lajpat Nagar, Kanpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Ramesh Chandra Anand, S/o Shri Bodh Raj Anand, R/o 20, Lajpat Nagar, Jullundur City. (Punjab).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Free hold plot of land bearing No. 61 in Block No. 'W' admeasuring 53.5 sq. yards situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi-48, within the limits of Delhi Municipal Corporation in the Revenue Estate of village Yaqutpur in the Union Territory of Delhi & bounded as under :—

East—Plot No. 63

North—Road

West—Road

South—Service land

**C. V. GUPTE**

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 6th February 1974.

Seal :

## FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-II,

New Delhi, the 6th February 1974

Ref. No. IAC/Acq. Range-II/73-74.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M/8-A situated at Greater Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer, at Delhi on 13-8-1973, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Lal Dang, S/o Shri Sawan Mal, R/o M/8-A, Greater Kailash-I, New Delhi-48  
(Transferor)
- (2) Shri Satyendra Pal Tyagi, S/o Shri Magaraj Tyagi & (2) Smt. Vimla Rani Tyagi, w/o Shri Satyendra Pal Tyagi, R/o C-54, Maharani Bagh, New Delhi. Now M/8-A, Greater Kailash-I, New Delhi-48.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1½ storeyed built building on a free-hold plot of land No. M/8, measuring 500 sq. yd., situated in the residential colony known as Greater Kailash-I, New Delhi & is bounded as under:—

East—Plot No. M-10  
West—Plot No. M-8  
North—Service Road  
South—Road.

C. V. GUPTE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 6th February 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,  
New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.  
NEW DELHI.

New Delhi, the 6th February 1974

Ref. No. IAC/Acq. Range-II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W/48A situated at Greater Kailash-II, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-8-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Shri Jagdish Chopra, S/o Shri R. A. Chopra, R/o E486, Greater Kailash-II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece and parcel of land being plot No. 48A measuring 100 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II New Delhi situated at village Bhahapur in the Union Territory of Delhi bounded as under :—

East—Service Lane  
West—Road  
North—Plot No. W/46  
South—Plot No. W/48

C. V. GUPTE

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi.

Date : 6th February 1974.

Seal.

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1974

Ref. No. IAC/Acq. Range-II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 82/1 situated in approved colony Bhagwan Dass Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 20-8-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sidarth Chaudhry, 2. Shri Ajay Chaudhry, sons of Ch. Brahm Parkash, R/o G7, Nizamuddin West, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Capital Land Builders (P.) Ltd. Patudi House, Darya Ganj, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Petrol Pump site land measuring 2621 sq. yards (2) Bighas +12 Biswas) 2/3rd share of petrol pump site which falls in Khasra No. 82/1, min situated in an approved colony known as Bhagwan Das Nagar, area of Village Shakurpur, Delhi State, Delhi.

C. V. GUPTE  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi.

Date : 6th February 1974.

Seal :

## FORM ITNS.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1974

Ref. No. IAC-ACQ. I/SRI/AUG. I/360(118)/73-74/7303.  
—Whereas I, D. B. Lal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 10 DLF, Industrial Area situated at Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 8-8-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) (i) Sh. Gian Singh Kalsi S/o Sh. Harnam Singh Kalsi 82-D, Malcha Marg, Diplomatic Enclave, New Delhi.

- (ii) Smt. Jaswant Kaur W/o Sh. Gian Singh Kalsi, 82-D, Malcha Marg, Diplomatic Enclave, New Delhi.
- (iii) Sh. Kamaljit Singh Kalsi S/o Sh. Gian Singh Kalsi, 12 Grand Parade, Wembley Park, London (U.K.) through his general attorney S. Mambir Singh, Advocate, 1, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi.
- (iv) Sh. Jaspal Singh Kalsi S/o Gian Singh Kalsi, D-82, Malcha Marg, New Delhi through his general attorney S. Manbir Singh, Advocate, 1, Pusa Road, New Delhi.
- (v) Sh. Pagdish Singh Kalsi S/o Sh. Gian Singh Kalsi, D-82 Malcha Marg Diplomatic Enclave, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Kapoor Air Products (P.) Ltd. 18/78, Punjabi Bagh, New Delhi through their Director Shri B. K. Kapoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing No. 10, D.L.F. measuring 2228 Sq. yds. situated in D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi, area of the village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

D. B. LAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

Date : 6th February 1974.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri Brahma Nand S/o Sh. Bishember Dayal, 21/18,  
Shakti Nagar, Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1974

Ref. No. IAC/Acq. I/SRI/Oct. II/587(37)/73-74/7302 —  
Whereas I. D. B. Lal  
being the Competent Authority under section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. B/21 situated at C. C. Colony Opp. R. P. Bagh, Delhi  
(and more fully described  
in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per  
deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
Delhi on 27-10-1973,  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen percent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Dharam Vir S/o Sh. Singh Lal 58 Prem Nagar,  
Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Freehold plot No. B-21, measuring 200 sq. yds. situated at C.C. Colony, opposite Rana Pratap Bagh, Delhi and bounded as under :—

North—Road 45 ft.  
South—Service Lane  
West—Plot No. B/20  
East—Plot No. B/22.

D. B. LAL

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

Date : 6th February 1974.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE CHANDIGARH**

156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th January 1974

Ref. No. SRS/1278/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B

of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Ellanabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in August, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to exceed; the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

perty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Bahadur, 2. Shri Bhaga Ram, sons of Shri Sheram Residents of Ellanabad, Tehsil Sirsa.  
(Transferor)

(2) The Principal Officer, M/s. Seth Suraj Mal Cotton Ginning Mills Private Ltd; Ellanabad, Tehsil Sirsa.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land sq. kila	Nos.	302/9/2 2/1 0-13	4/2 1/2 1-5
10/2 5-13	11 7-18	12/1 4-12	20/2 3-19
			Total 24-0

situated at Ellanabad, Tehsil Sirsa.

(Property as mentioned in the registered deed No. 2540 of August, 1973 of the Registering Officer, Sirsa).

G. P. SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 29-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Miss Ranbir Kaur, d/o Shri Raghbir Singh, 108,  
The Mall, Ambala Cantl.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1974

Ref. No. CIIID 133/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 51-P, Sec. 22-A, H. No. 788, situated at Chandigarh, and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in August, 1973

for an apparent consider-

ation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) 1. Shri Jagjit Singh Moti, S/o Shri Kartar Singh Modi, 2. Smt. Surinder Kaur, w/o Shri Jagjit Singh, Residents of No. 8, sector 21-A, Chandigarh.  
(Transferor)

(3) (1) Shri Maj. Bachan Singh (Retired),  
(2) Shri Prem Pal Pandit, Advocate,  
(3) Shri D. S. Bali, Advocate,  
H. No. 788, Sector 22-A, Chandigarh.  
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 51-P, Sector 22-A, House No. 788 Chandigarh.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4-2-1974.

Seal :

## FORM ITNS —————

(2) Shri Madan Lal, s/o Shri Dalla Ram, 3/18, old Rajinder Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th January 1974

Re: No. BGR/1356/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bunglow No. B-I, NH 5, NIT, situated at Faridabad, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bullabgarh in August, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).
- (1) Smt. Balbir Kaur, w/o G. S. Duggal, B-I, N.H. No 5, NIT, Faridabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bunglow No. B-I, NH No. 5, NIT, Faridabad.

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 20-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1974

Ref. No. CHD/1371/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 2391-2392, Sector 22-C, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in August, 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Vidya Sagar Kapur, H. No. 2391, Sector 22-C, Chandigarh.  
(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh, Village Alachaur District Jullundur.  
(Transferee)

\*(3) (1) Dr. Pawan Kumar Gupta,  
(2) Shri M. K. Bansal,  
House No. 2391, Sector 22-C, Chandigarh.  
(Person(s) in occupation of the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 2391-2392, Sector 22 C Chandigarh.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4-2-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th January 1974

Ref. No. BGR/1400/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building on plot No. 21, Bata Road, NIT situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in August 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice

under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Smt. Sheela Sundra (Sheela Merut), w/o Col. J. P. Merut, Resident of D-4/18, Basant Vihar, New Delhi. (Transferor)

(2) 1. Shri Krishan Lal, 2. Shri Sunder Lal, sons of Shri Ram Lal, Residents of I-G-22, Township Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building on Plot No. 21, Bata Road, NIT, Faridabad. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 272 of August, 1973 of the Registering Officer, Ballabgarh).

G. P. SJNGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 29-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri Sohan Lal Mohan, s/o Shri Amar Nath Mehta,  
House No. 40, Sector 27-A, Chandigarh.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th February 1974

Ref. No. CHD/1378/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 26, Sector 3-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in August, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Naginder Singh Dhillon s/o Shri Kartar Singh, Kothi No. 26, Sector 3-A, Chandigarh.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 26 Sector 3-A, Chandigarh.

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-2-1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th February 1974

Ref. No. CHD/1335/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 79, Sector 16-A (situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Chandigarh in August, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kanta Mehra, w/o Shri M. L. Mehra, resident of Anand Building, Tumbala Court.  
(Transferor)

(2) (1) Shri Jagat Singh, s/o Shri Vikram Singh, (2) Shri Balbir Singh, s/o Shri Jagat Singh, residents of V. & P.O. Kot Grewal, Tehsil Phillaur, District Jullundur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House No. 79, Sector 16-A, Chandigarh.

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-2-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,  
namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-2  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd February 1974

Ref. No. F. 751/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 4L situated at Cenotaph Road I Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Mylapore on 14-9-1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

7—456GI/73

(1) Shri R. Nadarajah, No. 7, 4th Cross Street R. K. Nagar, Madavalli, Madras.  
(Transferor)

(2) Shri R. Ranganathan No. 5, Cenotaph Road, 1st Cross St., Teynampet, Madras-18.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of this 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land admeasuring 3 Grounds & 292 Sq. ft. being part of Plot No. 4 and being part of T.S. No. 3841/2 in the registration Sub District of Mylapore.

**A. RAGHAVENDRA RAO**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2,  
Madras-6.

Date : 2-2-1974.

Seal

\*Strike off where not applicable.

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF  
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT  
New Delhi, the 6th February 1974

No. 1/93/69-Admn.IV.—The President is pleased to appoint Shri B. S. Godbole, a permanent Architect in the C.P.W.D., to officiate as Senior Architect in the same Department in the scale of Rs. 1300—60—1600—100—1800 on an adhoc basis with effect from 11-1-1974 (A.N.).

B. P. PATHAK, Dy. Director of Admn.

INTEGRAL COACH FACTORY  
Madras-38, the 30th January 1974

No. PB/GG/9/Misc/II.—The promotion of Sri G. S. VITTAI RAO, Officiating Deputy Chief Mechanical Engineer (J.A.) to I.A. grade as SUPERINTENDENT Mechanical (Workshops)/Designs for the period from 11-7-73 to 29-8-73 referred to at Sl. No. 2 of Notification sent under this office endorsement of even number dated 15-9-73 has been cancelled. During the above period the I.A. grade post of Superintendent Mechanical (Workshops)/Designs has been operated in J.A. grade and Sri G. S. VITTAI RAO has been posted as Officiating Deputy Chief Mechanical Engineer/Designs (J.A.) against the post of Superintendent Mechanical (Workshops)/Designs.

Shri G. RAJU, Assistant Accounts Officer/CAS (Class II) has been promoted to officiate in Senior Scale on adhoc basis as Senior Accounts Officer with effect from 13-12-73 against the post of Assistant Accounts Officer/CAS upgraded to Senior Scale in terms of Board's letter No. 73E(GC) 12-21 of 6-12-1973.

Shri L. G. SRINIVASAN, Officiating Assistant Accounts Officer/CBS (Class II) ad hoc has been reverted to Class III service with effect from 22-12-73 AN.

C. M. GOVINDARAJULU  
Senior Personnel Officer  
For GENERAL MANAGER

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
IN THE MATTER OF COMPANIES ACT, 1956  
AND  
MADHUSUDAN CHEMICAL INDUSTRIES LIMITED

Cuttack, the 2nd February 1974

No. L.335/74.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named Company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on 30-11-73 in Company Act Case No. 8 of 1971 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

IN THE MATTER OF COMPANIES ACT, 1956  
AND

CHILKA CASHEW MANUFACTURING WORKS LTD.  
Cuttack, the 2nd February 1974

No. L.358/74.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named Company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on 30-11-73 in Company Act Case No. 10 of 1972 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

IN THE MATTER OF COMPANIES ACT, 1956  
AND  
KALINGA STEEL & WIRE PRODUCTS LTD.

Cuttack, the 6th February 1974

No. L.362/74.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named Company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on 9-1-74 in Company Act Case No. 3 of 1973 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

IN THE MATTER OF COMPANIES ACT, 1956  
AND  
HANSANATH CERAM-C INDUSTRIES LTD.

Cuttack, the 6th February 1974

No. L.361/74.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on 9-1-74 in the Company Act Case No. 2 of 1973 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

S. N. GUHA  
Registrar of Companies, Orissa.

IN THE MATTER OF THE COMPANIES ACT, 1956  
AND  
OF BANGE-DARA PUBLICATIONS LIMITED.

Trivandrum, the 4th February 1974

No. 2344/Liq/2375/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Bange-Dara Publications Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. K. SYED MUHAMMAD,  
Registrar of Companies, Kerala.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
ADVERTISEMENT NO. 7

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-11-1974 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed un-stamped envelopes for each post at least of size 23×10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and bona-fide displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) 18th March, 1974 (2nd April, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

Post at S. No. 13 permanent. Posts at S. No. 1, 11, 16 and 18 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. No. 14 temporary but likely to be made permanent. Posts at S. Nos. 2 to 10, 15, 17, 19 and 20 temporary but likely to continue indefinitely. Posts at S. Nos. 12 temporary but likely to continue.

2 posts at S. No. 12 and 4 posts at S. No. 14 reserved for Scheduled Castes candidates, 2 posts at S. No. 14 and one post at S. No. 17 reserved for Scheduled Tribes candidates. Post at S. No. 15 reserved for Scheduled Castes candidates, if available; otherwise to be treated as unreserved if suitable Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidate is not available. Posts at S. Nos. 3 and 5 reserved for Scheduled Castes candidates, who alone need apply. Post

at S. No. 6 reserved for Scheduled Tribes candidates, who alone need apply.

6 posts at S. No. 14, one post each at S. Nos. 17 and 19 reserved for Emergency Commissioned Officer/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces on or after 1-11-62 but before 10-1-68 or who had joined any pre-Commission training before the latter date, were commissioned after that date and are released/invalided owing to disability attributable to Military Service/due to be released if available; otherwise to be treated as unreserved.

1. One Professor in Training and Placement, Delhi College of Engineering, Delhi Administration, Delhi.—Pay : Rs. 1100—50—1300—60—1600. Age Limit : 45 years. Qualifications Essential : (i) At least Second Class Degree in Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) At least 10 years' experience in professional work/research/teaching, of which at least 5 years should be in an organised industry of standing.

2. One Deputy Director of Training (Instrumentation) under the Directorate General of Employment and Training Ministry of Labour.—Pay : Rs. 1100—50—1400. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Instrumentation Engineering or Technology or Master's Degree in Applied Physics with Instrumentation as a special subject of a recognised University or equivalent. (ii) About 7 years' experience subsequent to graduation in a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production, including teaching experience in a recognised technical institution. (iii) Administrative experience. (iv) Working knowledge of Engineering and Building trades preferably of Cottage and/or Small Scale Industries.

3. One Deputy Director of Training (Industrial Electronics) under the Directorate General of Employment and Training, Ministry of Labour.—Pay : Rs. 1100—50—1400. Age Limit : 50 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Telecommunication/Electrical Communications/ Electronics Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 7 years' experience subsequent to graduation in a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production, including teaching experience in a recognised technical institution. (iii) Administrative experience. (iv) Working knowledge of Engineering and Building trades preferably of Cottage and/or Small Scale Industries.

4. One Assistant Professor in Civil Engineering (Structures), Delhi College of Engineering, Delhi, Delhi Administration Delhi.—Pay : Rs. 700—50—1250. Age Limit : 40 years. Qualifications : Essential : (i) At least Second Class Degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) Post-graduate degree in Civil Engineering from a recognised University or equivalent with specialisation in Structures. (iii) At least 5 years experience for Master's degree holders (3 years for Doctorate Degree holders) in research/professional work/teaching at degree level.

5. One Assistant Director of Training Directorate General of Employment and Training, Ministry of Labour and Rehabilitation.—Pay : Rs. 700—40—1100—50/2—1150. Age Limit : 40 years. Qualifications : Essential : (i) A Degree in Metallurgy of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience after graduation in a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production or in teaching in a recognised technical institution. (iii) Administrative experience.

6. One Assistant Director of Training, Directorate General of Employment & Training, Ministry of Labour & Rehabilitation.—Pay : Rs. 700—40—1100—50/2—1150. Age Limit : 40 years. Qualifications : Essential : (i) A Degree in Agricultural Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience after graduation in a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production or in teaching in a recognised technical institution. (iii) Administrative experience.

7. One Assistant Director of Training, Directorate General of Employment and Training, Ministry of Labour and Rehabilitation.—Pay : Rs. 700—40—1100—50/2—1150. Age Limit : 40 years. Qualifications : Essential : (i) A Degree in Automobile Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience after graduation in

a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production or in teaching in a recognised technical institution. (iii) Administrative experience.

8. One Assistant Director of Training, Directorate General of Employment & Training, Ministry of Employment and Rehabilitation.—Pay : Rs. 700—40—1100—50/2—1150. Age Limit : 40 years. Qualifications : Essential : (i) A Degree in Chemical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience after graduation in a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production or in teaching in a recognised institution. (iii) Administrative experience.

9. One Senior Scientific Officer, Grade II for Chief Resident Engineering (RTO), Bangalore, Research and Development Organisation, Ministry of Defence.—Pay : Rs. 400—40—800—50—950. Age : Preferably below 30 years. Qualifications : Essential : (i) At least Second Class Degree in Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About two years' experience in Design and Development of Electrical instruments, Pressurisation, Cabin conditioning System installation aircraft.

10. One Technical Officer (Instrumentation), Directorate General of Employment and Training, Department of Labour and Employment, Ministry of Labour.—Pay : Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Instrumentation Engineering or Technology or Master's Degree in Applied Physics from a recognised University or equivalent. (ii) About one year's experience in Instrumentation subsequent to graduation.

11. One Associate Professor of Biochemistry & Nutrition All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, Ministry of Health & Family Planning (Department of Health).—Pay : Rs. 1100—50—1400. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) M.Sc. degree in Biochemistry/Nutrition of a recognised University or equivalent. (ii) 7 years' experience in teaching and research in the field of Biochemistry and Nutrition in a Medical College or post-graduate education and/or research Institution.

12. Five Deputy Directors (Storage & Research) Ministry of Agriculture (Department of Food).—Pay : Rs. 700—50—1250. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Master's degree in Agriculture or Master's degree in Chemistry or Zoology or Botany of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience in Storage of foodgrains, maintenance of stocks or in the examination, inspection or analysis of foodgrains in Government Departments or commercial houses of repute. OR (i) Degree in Agriculture or Degree in Science with Chemistry or Biology or Zoology or Botany as subject of a recognised University or equivalent. (ii) About 7 years' experience in Storage of foodgrains, maintenance of Stocks or in the examination, inspection and analysis of foodgrains in Government Departments or commercial houses of repute.

13. One Biochemist, Hindu Rao Hospital, Municipal Corporation of Delhi.—Pay : Rs. 450—30—660—EB—40—1100—50—1250. Age Limit : 35 years. Relaxable for Government servants and Employees of the Municipal Corporation of Delhi. Qualifications : Essential : (i) At least Second Class Master's Degree in Bio-Chemistry of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience in Clinical Bio-Chemistry in a Medical College or Hospital. OR (i) A Doctorate degree in Bio-Chemistry/Physiology including Bio-Chemistry. (ii) About 3 years' experience in Clinical Bio-Chemistry in a Medical College or Hospital.

14. Twelve Meteorologists (Grade II), India Meteorological Department, Ministry of Tourism & Civil Aviation.—Pay : Rs. 400—40—800—50—950. Age Limit : 35 years. Qualifications : Essential : For 5 posts : Second Class M.Sc. degree in any of the following subjects, or equivalent :—Meteorology, Physics, Statistics, Mathematics, Applied Physics and Geophysics (Candidates with Geophysics should have specialised in one of the following subjects :—Meteorology, Oceanography, Hydrology, Geomagnetism and Seismology). For 7 posts :—Second Class M.Sc. Degree in Physics with specialisation in Radio Physics or Electronics or Telecommunications or Second Class Degree in Engineering (Telecommuni-

cations) or equivalent qualifications. (ii) About 2 years' research experience, as evidenced by published papers in any of the subjects or fields mentioned above. (For all posts).

15. One Junior Scientific Officer (Biology), Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation.—Pay : Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit : 30 years. Qualifications : Essential : (i) M.Sc. or its equivalent Degree in Botany, Zoology, Anthropology or Biochemistry of a recognised University or equivalent. (ii) About three years' analytical and research experience in Zoology, Botany, Anthropology or Biochemistry.

16. One Anaesthetist, Central Hospital, Dhanbad under the Coal Mines Labour Welfare Fund Organisation, Department of Health, Ministry of Health & Family Planning, Specialists' Grade of the Central Health Service, Class I.—Pay : Rs. 600—40—1000—EB—50—1300 plus N.P.A. (@ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) A recognised medical qualification included in the First or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule (other than licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956. Holders of educational qualifications included in Part II of the Third Schedule should also fulfil the conditions stipulated in Section 13(3) of the Indian Medical Council Act, 1956. (ii) Post-graduate qualification in Anaesthesiology e.g. F.F.A.R.C.S., M.D./M.S. (with Anaesthesiology as special subject) or D.A.R.C.P. & S.) (England); D.A. or equivalent. (iii) At least three years' work in a responsible position connected with the speciality for post-graduate degree holders or at least 5 years' work in a responsible position connected with the speciality for post-graduate diploma holders.

17. Two Physicians, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health). Posts Likely to be included in the specialists' Grade of Central Health Service, Class I. Pay : Rs. 600—40—1000—EB—50—1300 plus N.P.A. (@ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Same as (i) in item 16 above. (ii) Post-graduate qualification in Medicine e.g. M.D., M.R.C.P., Ph.D. (Medical), M.Sc. (Medical), M.Sc. (Medicine) (Nagpur) or L.Med. (Dublin) or equivalent qualifications. (iii) At least 3 years' work in a responsible position in medicine for post graduate degree holders and at least 5 years' work in a responsible position in Medicine for post-graduate diploma holders.

18. One Radiologist, Central Hospital, Kalla, Asansol under the Coal Mines Labour Welfare Fund Organisation, Ministry of Health & Family Planning (Department of Health). Post Likely to be included in the Specialists' Grade of the Central Health Service, Class I.—Pay : Rs. 600—40—1000—EB—50

—1300 plus N.P.A. (@ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Same as (i) in item 16 above. (ii) Post-graduate qualification in Radiology e.g. M.D. (Radiology) or M.D./M.R.C.P. with Radiology as a special subject, DMRT (2 years course), IMRE (2 years' course) or equivalent; DMRE (One year course) D.M.R. & T. (One year course), D.M.R.D. (One year course) or equivalent. (iii) At least 3 years' work in a responsible position connected with the speciality in case of postgraduate degree holders and at least 5 years' work in a responsible position connected with the speciality in case of post-graduate diploma holders.

19. Three Junior Pathologists for Central Government Health Scheme, Kanpur and Meerut and Jipmer, Pondicherry, Ministry of Health & Family Planning (Department of Health). General Duty Officer Grade I of Central Health Service, Class I.—Pay : Rs. 450—30—660—EB—40—1100—50—1250 plus N.P.A. (@ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. (Two advance increments for post-graduate diploma holders and four advance increments to post-graduate degree holders). AGE LIMIT : 35 years. QUALIFICATIONS : ESSENTIAL : (i) Same as (i) in item 16 above. (ii) Post-graduate qualifications in Pathology, e.g. M.D. (Path), M.D. (Path & Bact.), M.Sc. (Path.), M.Sc. (Path. & Bact.), Ph.D. (Path. & Bact.), D.Sc. (Path. & Bact.); D.C.P.; D.P.B., or equivalent. (iii) Five years' experience after registration as a Medical graduate.

20. One Head of the Department of T.V. Production, Training Centre of Film and T.V. Institute of India, Poona, Ministry of Information and Broadcasting.—Pay : Rs. 1100—50—1400. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Diploma from Film and Television Institute of India in Direction/Production/Screen Play Writing or Certificate of completion of T.V. Course of T.V. Training Centre of Film and Television Institute of India or Degree from a recognised University or equivalent. (ii) At least 7 years experience in T.V. or Radio or Film Production of which at least one year should have been spent in T.V.

#### CORRIGENDUM

Assistant Commissioner (Fisheries Planning) Ministry of Agriculture (Department of Agriculture).—Reference item 4 of the Commission's Advertisement No. 52 published on 29-12-1973. It is notified for general information that in case no suitable Scheduled Castes candidate is available, the post will be treated as unreserved. Other conditions remain unchanged. Closing date for receipt of application, extended to 18-3-74 (2-4-74 for applicants from abroad and for those in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). Those who have already applied in response to the Commission's earlier advertisement need not apply again.

A. C. BANDYOPADHYAY, Secy.  
Union Public Service Commission.